महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग की प्रस्तुति

हे राम !

संरक्षक

मा. प्रो गिरीश्वर मिश्र

कुलपति

मा. डॉ.राजेन्द्र प्रसाद मिश्र

कुलसचिव

निर्माण

प्रो.सुरेश शर्मा

लेखक

प्रेमानंद गज्वी

परिकल्पना /अनुवाद और निर्देशन

डॉ.सतीश पावडे

सह- निर्देशक

सुरभि विप्लव

दिनांक :- 28-12-2015 स्थल :- हबीब तनवीर सभागार समय - शाम 6:30 बजे

नाटक के बारे में :

आज भ्रष्ट, गुनहगार, स्वार्थी, राजनेताओं ने गांधी को कैसे न केवल पुतलों में क़ैद कर दिया है बल्कि उनके विचारों की हत्या भी कर दी है। यह इस नाटक की मुख्य विषयवस्तु है। यह नाटक गांधी जी तथा उनके विचारों की दुखांत यात्रा प्रस्तुत करता है। जो समकालीन यथार्थ को अतियथार्थ के रूप में प्रस्तुत करता है। निर्देशक डॉ॰ सतीश पावड़े ने इसे प्रायोगिक शैली में मंचित किया है। ब्लैक कॉमेडी,फंतासी, सुर्रीयलिस्टिक फॉर्म्स के माध्यम से इस नाटक को प्रभावी बनाने की कोशिश की गई है।

मंच पर

महात्मा गांधी : शुभम गिन्हे

भारत माता : सुरभि विप्लव

आदमी / बंदर -1 : विक्रम कुमार सिंह

आदमी / बंदर -2 : अर्णव सिंह

आदमी / बंदर-3 : सचिन पाहवा

युवा 1 : विद्यासागर देवके

युवा 2 : अजय कुमार

बहादुर: विक्रम कुमार सिंह

चमेली : दिप्ति ओगरे

मंच परे

संगीत : अलोक निगम

मंच आलोकन : राकेश विक्रम सिंह

रूपसज्जा : दिप्ति ओगरे

स्थिर चित्र /विडियोग्राफी : राजदीप राठौर, नरेश गौतम

विशेष सहाय्य : नितप्रिया प्रलय ,सुनीता थापा

प्रचार प्रसार : आशीष कुमार, धीरेंद्र कुमार